No. of Printed Pages : 7

BPY-011

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME

PHILOSOPHY (BDP)

Term-End Examination

December, 2020

BPY-011 : PHILOSOPHY OF HUMAN PERSON

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note **:** (*i*) *Answer all the* ***five*** *questions.*

(*ii*) *All questions carry equal marks.*

(*iii*) *Answer to the Question No.* ***1*** *and* ***2*** *should be in about* ***400*** *words each.*

---

1. What do you understand by theory of Karma ? Explain human person as a 'being in need of liberation'. 20

Or

Elaborate the Philosophy of human person. How is it related to other disciplines of study ? Explain.

2. Do you agree with the theory of determinism ? Substantiate your answer with argument. 20

Or

Explain the evolutionary theory about the origin of the human person. Provide scientific proofs for the same.

3. Answer any ***two*** of the following questions in about **200** word each : 10 each

   (a) How do you understand humans as cultural beings ?

   (b) Explain the Upanishadic concept of 'atman as Brahman'.

   (c) Discuss the existence and dynamism of the human intellect.

   (d) Explain various arguments offered to prove the immortality of soul.

4. Answer any ***four*** of the following question in about **150** words each : 5 each

   (a) What is the view of Chandogya Upanishad about human person ?

   (b) Describe the transmigration of soul.

(c) What is the first level of liberation in Levinas ?

(d) Explain the mechanistic concept of life.

(e) What do you understand by natural rights ?

(f) What is Anthropocentrism ?

5. Write short notes on any ***five*** of the following in about **100** words each : 4 each

(a) Inter-subjectivity

(b) Linguistic turn in Philosophy

(c) Human intellect

(d) Performative function of language

(e) Phenomenon of death

(f) Elements of culture

(g) Transcendental freedom

(h) Estimative power of human being

BPY-011

स्नातक उपाधि कार्यक्रम दर्शनशास्त्र (बी.डी.पी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2020

बी.पी.वाई.-011 : मानव-व्यक्ति दर्शन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) सभी* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

(iii) प्रश्न संख्या ***1*** *और* ***2*** *में प्रत्येक का उत्तर लगभग* ***400*** *शब्दों में दीजिए।*

---

1. कर्म सिद्धान्त से आप क्या समझते हैं? मानव व्यक्ति की व्याख्या एक 'स्वतन्त्रता के लिए प्रयासरत जीव' के रूप में कीजिए। 20

अथवा

मानव-व्यक्ति दर्शन पर प्रकाश डालिए। यह ज्ञान के अन्य विषयों से कैसे सम्बन्धित है? व्याख्या कीजिए।

2. क्या आप नियतिवाद से सहमत हैं? अपने उत्तर के पक्ष में प्रमाण दीजिए। 20

अथवा

मानव-व्यक्ति की उत्पत्ति के उद्‌विकासवादी सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए। अपने उत्तर को पुष्ट कीजिए।

3. किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **200** शब्दों में दीजिए : प्रत्येक 10

(क) सांस्कृतिक जीव के रूप में मानव से आप क्या समझते हैं?

(ख) उपनिषद के 'आत्म ही ब्रह्म है' विचार की व्याख्या कीजिए।

(ग) मानव बुद्धि के अस्तित्व और गतिशीलता पर चर्चा कीजिए।

(घ) आत्मा की अमरता की सिद्धि में प्रस्तुत विभिन्न प्रमाणों की व्याख्या कीजिए।

4. किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **150** शब्दों में दीजिए : प्रत्येक 5

(क) मानव-व्यक्ति सम्बन्धी छान्दोग्य उपनिषद् का क्या विचार है?

(ख) आत्मा के पुनर्वागमन का वर्णन कीजिए।

(ग) लेविनास का मुक्ति का प्रथम स्तर क्या है?

(घ) जीवन के यांत्रिक विचार की व्याख्या कीजिए।

(ङ) प्राकृतिक अधिकारों से आप क्या समझते हैं?

(च) मानवकेन्द्रितवाद क्या है?

5. किन्हीं ***पाँच*** प्रश्नों में से प्रत्येक पर लगभग 100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : प्रत्येक 4

(क) अन्तर व्यक्तिनिष्ठता

(ख) दर्शन में भाषाई मोड़

(ग) मानव बुद्धि

(घ) भाषा का सम्पादित कार्य

(ङ) मृत्यु की प्रघटना

(च) संस्कृति के तत्व

(छ) परात्पर स्वतन्त्रता

(ज) मानव की अनुमानित शक्ति